آيَاتُهَا ٤ ❀ سُوْرَةُ قُرَيْشٍ (١٠٦) ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(106) सूरह क़ुरैश क़ुरैश का कबीला	आयात 4

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

لِاِيْلٰفِ قُرَيْشٍ ۙ﴿١﴾ اٖلٰفِهِمْ رِحْلَةَ الشِّتَآءِ وَالصَّيْفِ ۚ﴿٢﴾

2	और गर्मी	सर्दी	सफ़र	उन का मानूस करना	1	क़ुरैश	मानूस करने के सबब

فَلْيَعْبُدُوْا رَبَّ هٰذَا الْبَيْتِ ۙ﴿٣﴾ الَّذِیْٓ اَطْعَمَهُمْ مِّنْ جُوْعٍ ۙ

भूक	से - में	उन्हें खाना दिया	जो - जिस	3	घर	इस	रब	पस चाहिए कि वह इबादत करें

ع ١ / ٣١ وَّاٰمَنَهُمْ مِّنْ خَوْفٍ ۧ﴿٤﴾

	4	ख़ौफ़	से - में	और उन्हें अम्न दिया	

آيَاتُهَا ٧ ❀ سُوْرَةُ الْمَاعُوْنِ (١٠٧) ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(107) सूरतुल माऊन रोज़ाना इस्तेमाल की छोटी चीज़ें	आयात 7

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

اَرَءَيْتَ الَّذِیْ يُكَذِّبُ بِالدِّيْنِ ؕ﴿١﴾ فَذٰلِكَ الَّذِیْ يَدُعُّ الْيَتِيْمَ ۙ﴿٢﴾

2	यतीम	धक्के देता है	जो कि	यही है वह	1	रोज़े जज़ा ओ सज़ा	झुटलाता है	वह जो कि	क्या तुम ने देखा

وَلَا يَحُضُّ عَلٰى طَعَامِ الْمِسْكِيْنِ ؕ﴿٣﴾ فَوَيْلٌ لِّلْمُصَلِّيْنَ ۙ﴿٤﴾

4	नमाज़ियों के लिए	पस ख़राबी	3	मिस्कीन	खाना	पर	रग़बत दिलाता	और नहीं

الَّذِيْنَ هُمْ عَنْ صَلَاتِهِمْ سَاهُوْنَ ۙ﴿٥﴾ الَّذِيْنَ هُمْ

वह	जो कि	5	ग़ाफ़िल (जमा)	अपनी नमाज़	से	वह	जो कि

ع ١ / ٣٢ يُرَآءُوْنَ ۙ﴿٦﴾ وَيَمْنَعُوْنَ الْمَاعُوْنَ ۧ﴿٧﴾

	7	आम ज़रूरत की चीज़	रोकते हैं (नहीं देते)	6	दिखावा करते हैं	

آيَاتُهَا ٣ ❀ سُوْرَةُ الْكَوْثَرِ (١٠٨) ❀ رُكُوْعُهَا ١

रुकूअ़ 1	(108) सूरतुल कौसर बे शुमार भलाइयाँ	आयात 3

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ○

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

اِنَّآ اَعْطَيْنٰكَ الْكَوْثَرَ ؕ﴿١﴾ فَصَلِّ لِرَبِّكَ

अपने रब के लिए	पस नमाज़ पढ़ें	1	कौसर	हम ने आप (स) को अ़ता किया	बेशक हम

ع ١ / ٣٣ وَانْحَرْ ؕ﴿٢﴾ اِنَّ شَانِئَكَ هُوَ الْاَبْتَرُ ۧ﴿٣﴾

3	दुम कटा - नामुराद - बे नस्ल	वह	आप (स) का दुश्मन	बेशक	2	और क़ुरबानी दें

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

क़ुरैश को मानूस करने के सबब, (1) उन्हें सर्दी गर्मी के सफ़र से मानूस करने के सबब। (2) पस चाहिए कि वह इबादत करें इस घर के रब की, (3) जिस ने उन्हें खाना दिया भूक में, और अम्न दिया ख़ौफ़ में। (4)

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

क्या तुम ने उस शख़्स को देखा जो रोज़े जज़ा ओ सज़ा को झुटलाता है? (1) वही है जो यतीम को धक्के देता है, (2) और नहीं उकसाता मिस्कीन को खाना खिलाने पर। (3) पस ख़राबी है उन नमाज़ियों के लिए, (4) जो अपनी नमाज़ों से लापरवाह हैं, (5) जो दिखावा करते हैं, (6) और आम ज़रूरत की चीज़ (भी मांगी) नहीं देते। (7)

अल्लाह के नाम से जो बहुत मेहरबान, रहम करने वाला है

बेशक हम ने आप (स) को "कौसर" अ़ता किया। (1) पस अपने रब के लिए नमाज़ पढ़ें और क़ुरबानी दें। (2) बेशक आप (स) का दुश्मन ही नामुराद है। (3)